अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और नगालैंड राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता

पर्यटन मंत्रालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और नगालैंड राज्यों में पर्यटन विकास की विभिन्न परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता मंजूर की है :–

सिक्किम :

1) पश्चिम सिक्किम में लेगशिप स्थित बूढ़ा नीलकंठ पर पर्यटन सुविधाओं का विकास – रु. 89.10 लाख। बूढ़ा नीलकंठ, गेजिंग और रेनचेनपोंग मार्ग पर नदी किनारे स्थित एक रमणीय स्थल है। इस विस्तृत परिपथ मार्ग में पर्यटक स्थल का विकास अनिवार्य है ताकि पर्यटकों को लंबी दूरी की नीरसता से बचाया जा सके। परियोजना के अंतर्गत रमणीय स्थल, पर्यावरण अनुकूल वीथिकाओं और भू–परिदृश्यों का निर्माण एवं सौंदर्यकरण शामिल है।

2) सिक्किम परिपथ में राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ–साथ पड़ने वाले स्थानों पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए 160 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 31–ए के साथ रैंगपो कस्बे में रमणीय स्थलों पर सुविधाओं का निर्माण शामिल है।

3. राज्य में पर्यटन स्थलों की जानकारी प्रदर्शित और प्रचारित करने के लिए 160 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस धन का इस्तेमाल रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और होटलों आदि प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर दिशा सूचक और विज्ञापन बोर्ड प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा।

4. पूर्वी सिक्किम में बारचैन्गे जल–प्रपात के विकास सहित मारचक के निकट पर्यटन परिपथ का विकास भी शामिल है। इस परियोजना में बारचैन्गे जल–प्रपात के निकट पर्यटकों के लिए होटल, कैफे, व्यूइंग डेक (यानी निहार स्थल) और जल निकायों जैसी पर्यटन सुविधाओं का विकास शामिल है।

अरुणाचल प्रदेश :

1) त्वांग में विशाल पर्यटन लक्ष्य – राशि स्वीकृत रु. 464.34 लाख। इस परियोजना के अंतर्गत त्वांग में गेस्ट हाउस परिसर का निर्माण, त्वांग मठ रेस्तरां, डोर्मिटरी कॉम्प्लैक्स का निर्माण और जल–प्रपात निहारने की दीर्घा, बाल उद्यान और एम्फिथिएटर (गोलाकार इमारत जिसमें दर्शकों के बैठने की व्यवस्था हो) का विकास शामिल है।

2) 98.05 लाख रुपये की लागत से लोअर दिबांग वैली जिले में हुन्ली क्षेत्र में पर्यटन स्थल का निर्माण। हुन्ली क्षेत्र लोअर दिबांग वैली जिले का हिस्सा है और यह रमणीय स्थलों एवं अत्यंत शीत क्षेत्र के रूप में लोकप्रिय है, जो घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस क्षेत्र को पर्यटन का एक प्रमुख आकर्षण बनाने के लिए सरकार ने एक बड़ी परियोजना इसके लिए तैयार की है। इसका उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल पर्यटन का संरक्षण और उसे प्रोत्साहित करना है। इसके जरिए साहसिक पर्यटन तक पर्यटकों की पहुंच भी कायम की जा सकेगी। इस परियोजना से पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा होगा क्योंकि इससे एक ऐसा मंच कायम किया जा सकेगा जो पर्यटकों को सदियों से रह रहे स्थानीय जनजातीय लोगों के बारे में विविध जानकारी हासिल करने का अवसर प्रदान करेगा।

नगालैंड :

1) नगालैंड में कुहुबोतो का विकास पारिस्थितिकी अनुकूल और सांस्कृतिक पर्यटक स्थल के रूप में करने के लिए 100 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। कुहुबोतो एक पर्यटक स्थल है जो प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से समृद्ध है। वहां हरियालीयुक्त पर्वतमालाएं और घाटियां, फूलों की घाटियां, पर्वतीय धाराएं आदि प्रचुर मात्रा में विद्यमान हैं। कुहुबोतो दीमापुर के निकट है। यह स्थान पर्यटन और व्यापार दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। परियोजना के अंतर्गत कम खर्चीले होटल, पर्यटक स्वागत केंद्र, मुक्ताकाश थिएटर, भोजन प्रांगण, पार्किंग क्षेत्र और कैफे आदि का निर्माण शामिल है।